

पाकस्तान की सार्क में वापसी

समाचारों में क्यों?

पछिले कुछ समय से भारत द्वारा नरितर गतरौध पैदा करने के बावजूद पाकस्तान आखरकार सार्क में अपनी स्थति भिजबूत करने में सफल रहा है। वदिति हो कपाकस्तान के अमज़द हुसैन बी सथिल को सार्क का नया सेक्रेटरी जनरल बनाया गया है। हालाँकि पाकस्तान की सार्क में इस हालिया सफलता में भारत का भी योगदान है क्योंकि अमज़द हुसैन को सेक्रेटरी जनरल बनाए जाने के प्रस्ताव का समर्थन भारत ने भी किया है।

क्यों पाकस्तान को अलग-थलग करना चाहता था भारत?

- गौरतलब है कि भारत-पाकस्तान संबंधों में तलखी के मद्देनज़र भारत ने यह माँग की थी कि इस नयिकृति से पहले जरूरी प्रक्रियाएँ पूरी की जाएँ। वदिति हो कि इस नयिकृति के लिये सार्क काउंसिल ऑफ मनिस्टर्स की मंजूरी चाहिये, लेकिन भारत के वरिध के कारण पाकस्तान में होने वाला सार्क सम्मेलन रद्द हो गया था फलस्वरूप यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी।
- जज़ात हो कि इस पद पर सार्क के सदस्य देशों की ओर से नामति उम्मीदवार बारी-बारी से नयिकृत किये जाते हैं। इस बार महासचवि पद पर पाकस्तान के उम्मीदवार की नयिकृति होनी थी। पाकस्तान ने इसके लिये अमज़द हुसैन सथिल का नाम प्रस्तावति किया था। सथिल पाकस्तान की प्रशासकीय सेवा में अधिकारी रहे हैं। पाकस्तान ने उन्हें सार्क के 13वें महासचवि पद की दावेदारी के लिये नामांकति किया था।

क्यों आया भारत के रुख में बदलाव?

भारत और पाकस्तान ने सार्क के महत्त्व की पहचान करते हुए व्यापक रूप से इस नषिकर्ष पर पहुँचे हैं कि सार्क में दोनों देशों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होने चाहिये वैसे भी इस पद पर सार्क के सदस्य देशों की ओर से नामति उम्मीदवार बारी-बारी से नयिकृत किये जाते हैं और इस बार पाकस्तान द्वारा नामति सदस्य की बारी थी, अतः देर-सबेर अमज़द हुसैन सथिल सार्क के सेक्रेटरी जनरल तो बन ही जाते।

सार्क से संबंधति महत्त्वपूर्ण तथ्य

- दक्षणि एशियाई कषेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की स्थापना 7-8 दसिंबर, 1985 को ढाका में प्रथम सार्क सम्मेलन में की गई थी। इस संगठन की पहल ऐसे देशों को औपचारिक रूप से एक साथ लाने के लिये की गई थी, जो पहले से ही ऐतिहासिक और सांस्कृतिक तौर पर आपस में जुड़े हुए थे। जब सार्क की स्थापना हुई थी, उस समय इस संगठन में बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका और पाकस्तान शामिल थे। बाद में वर्ष 2007 में संगठन के आठवें सदस्य के तौर पर अफगानिस्तान को भी इसमें शामिल कर लिया गया था।
- इस संगठन की स्थापना का उद्देश्य यह था कि तेजी से बढ़ती आपसी संबंधों पर नरिभर दुनिया में शांति, स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और आर्थिक समृद्धि के उद्देश्य आपसी समझ-बुझ, पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध और सार्थक सहयोग से ही प्राप्त किये जा सकते हैं। गरीबी उन्मूलन, आर्थिक और सामाजिक विकास तथा ज़्यादा से ज़्यादा जनसंपर्क इस संगठन के मुख्य उद्देश्य हैं।

क्यों भारत के लिये महत्त्वपूर्ण है सार्क?

भारत इस संगठन का ऐसा एकमात्र सदस्य है, जिसकी चार देशों के साथ साझी ज़मीनी सीमा है और दो देशों के साथ साझी समुद्री सीमा है। पाकस्तान-अफगानिस्तान को छोड़ दें तो सार्क के किसी अन्य देश की किसी दूसरे देश के साथ साझी सीमा नहीं है। व्यापार, वाणजिय, नविश आदि के संदर्भ में भारत, संभावति नविश और तकनीक का स्रोत होने के साथ-साथ सभी सार्क सदस्यों के उत्पादों के लिये एक प्रमुख बाज़ार भी है।